Payal Chaudhary , our BA (J&MC) student and Creative Jharkhandi, gave a scintillating performance at an online program .

The students of ICFAI University Jharkhand are always active in different extra -curricular activities.

This video explains the activities by Computer Science students of the University as part of Team Drone and GedIT Club.

To view click on t hurl : https://youtu.be/o4YfZCUA1xc

Poem

योद्धा

ये धरती भी आज धन्य हो गई है,
जिस धरती पर वो कुरबान है!
एक मां की कोख का बलिदान है,
एक पिता की जिससे शान है..!
वो आज भी जंग लड़ता कोई विमान है..!

आज फिर भारत माँ का शीश गर्व से उंचा है,
कि उसका पूत सरवोच्च स्थान पर पहुँचा है!
एक पत्नी के सिंदूर का झरोखा है,
एक बहन की राखी का तोहफा है!
वो आज भी जंग लड़ता इकलौता योद्धा है..!

आज फिर उसके साहस का गीत किसी ने गाया है,
पूरे भारतवासी ने उसे अपना बताया है!
एक बेटे के साहस का मुखौटा है,
एक बेटी की सारी खुशियों का घरौंदा है!
वो आज भी जंग लड़ता इकलौता लड़ाका है..!

Ms. Arti Kumari
BCA-III

Sketchs

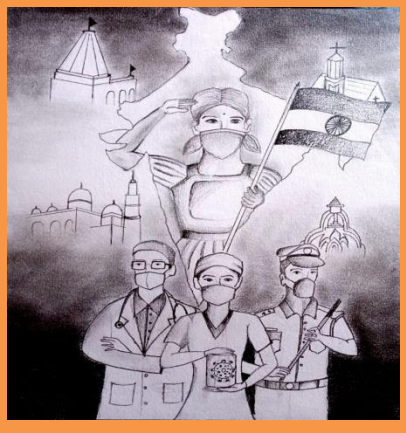

Ved BhadaniB.Com-II

Article on Independence Day

"आजादी का पर्व में,

तिरंगे को करती हूं सलाम,

उन वीरों को नमन है मेरा,

जिन्होंने आजादी में दिया बलिदान।।"

इस आर्टिकल में मैंने 15 अगस्त के इस महत्वपूर्ण दिन के बारे में लिखा है।15 अगस्त हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है।क्योंकि इस दिन 1947 को।हमारा देश आजाद हुआ था। पंडित जवाहरलाल नेहरु की मुख्य भूमिका रहेगी साथ ही कई नेताओं ने इस देश को।बचाने में अपना योगदान दिया जैसे सरदार वल्लभ भाई पटेल, भगत सिंह, महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक जैसे कई महान लोगों ने इस देश को।आजाद किया। 1947 की आधी रात को।भारत और पाकिस्तान कानूनी तौर पर दो।स्वतंत्र राष्ट्र बने परंतु पाकिस्तान में स्वतंत्रता दिवस 14 अगस्त को।और भारत में 15 अगस्त को।मनाया जाता है। इस राष्ट्रीय पर्व को।हम सभी बहुत हर्षोल्लास में मनाते हैं सभी जगह पर हम अपने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को।फहराते हैं और हमारे प्रधानमंत्री लाल किले में मंडे को।फहरा कर इस राष्ट्र पर्व को।मनाते हैं एवं कहीं नहीं कार्यक्रम का भी लाल किला में आयोजन होता है। 15 अगस्त से पहले तारीख हो।जिसकी तुलना 26 जनवरी को।हो।कर शायद ही किसी और दिन से किया जा सकता है। अंग्रेजों की लगभग 200 वर्ष गुलामी के बाद हमारे देश की आजादी प्राप्त हुई थी। स्वतंत्रता सेनाओं को।इस आजादी के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ा तब से लेकर आज तक हम 15 अगस्त को।स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाते हैं।

Payal choudhary

(BA Journalism)

ICFAI UNIVERSITY OF JHARKHAND

Article on Independence Day

15 अगस्त एक राष्ट्रीय पर्व है जिसे हम इंडिपेंडेंस डे के नाम से भी जानते हैं। इस दिन यानी 15 अगस्त 1947 को हमारा देश आजाद हुआ था इस वर्ष भारत अपना 74 वा स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहती है और सभी स्कूल कॉलेज और कार्यालयों में तिरंगा फहराया जाता है। जैसा कि हम सभी जानते हैं इस वर्ष पूरी दुनिया में कोरोनावायरस महामारी का प्रकोप लगातार जारी है इसलिए इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी अपना भाषण ऑनलाइन प्रसारित करेंगे। 15 अगस्त हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है जिसे हम कभी भूल नहीं सकते बात करें हमारी आजादी की हमें आजादी 14-15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने भाषण "Tryst with Destiny" के साथ ब्रिटिश शासन से भारत की आजादी की घोषणा की। जैसा कि मैंने बताया "Tryst with Destiny" के बारे में कि स्वतंत्रता के लिए पहला भाषण था। हम हर वर्ष इस दिन को बहुत उत्साह के साथ मनाते हैं। 15 अगस्त 1947 को भारतीय इतिहास का सर्वाधिक भाग्यशाली रहा क्योंकि इस दिन भारतीय स्वतंत्र में कई सेनाओं ने अपना सब कुछ न्योछावर कर भारत देश के लिए आजादी हासिल की। भारत की आजादी के साथ ही भारतीयों ने अपने पहले प्रधानमंत्री का चुनाव पंडित जवाहरलाल नेहरू के रूप में किया, जिन्होंने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के लाल किले पर तिरंगे झंडे को पहली बार फहराया। आज हर भारतीय इस खास दिन को एक उत्सव की तरह मनाते हैं।

"स्वतंत्रता का प्रतीक है भारत देश की शान तिरंगा हूं मैं,जवानों के संघर्ष का पर्व है जश्न ए आजादी हां।देश की शान हूं मैं (पायल चौधरी)"

Payal choudhary

(BA Journalism)

ICFAI UNIVERSITY JHARKHAND